ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-1* April-2021
Anthology : The Research

अलवर जिले में भूमि उपयोग परिवर्तन का अध्ययन

Study of Land Use Change In Alwar District

Paper Submission: 04/04/2021, Date of Acceptance: 22/04/2021, Date of Publication: 24/04/2021

महेन्द्र कुमार जाजोरिया
सह प्राध्यापक,
भूगोल विभाग,
बापू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर,
राजस्थान, भारत

रामानन्द चोरेडिया
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

प्रकृति का अनुपम उपहार हमें भूमि के रूप में प्राप्त हुआ हैं जो आज आर्थिक संसाधन का रूप धारण किये हुये हैं। जिस पर अनेक प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां संपन्न होती हैं और ये गतिविधियां वहां के भूमि के स्वरूप पर निर्भर करती है। जिस क्षेत्र की भूमि जैसी होगी उसी के अनुरूप वहां की मानवीय क्रियाये संपादित होगी। यदि क्षेत्र विशेष की भूमि कृषिगत होगी तो वहां अधिक मात्रा में कृषि की जायेगी और जहां कृषि योग्य भूमि नहीं होती हैं वहां गैर कृषि कार्य अधिक संपन्न होते हैं। इस प्रकार भूमि उपयोग प्रतिरूप का वहां की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का निदान एवं क्षेत्र विकास में अति महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

We have received the unique gift of nature in the form of land, which today is taking the form of economic resource. On which many types of cultural activities take place and these activities depend on the nature of the land there. Human activities will be edited according to the area where the land will be like. If the land of a particular area will be agricultural, then a large amount of agriculture will be done there and where there is no arable land, non-agricultural work is more prosperous. In this way, the land use model has a very important role in diagnosing the economic and social problems there and in the field development.

मुख्य शब्द : भूमि, उपयोग, परिवर्तन, तहसीलवार
Land, Use, Change, Tehsilwar.

प्रस्तावना

भूमि उपयोग परिवर्तन के लिए भौतिक एवं आर्थिक स्वरूपों का भी यागेदान रहा है। इसी उद्देश्य की पूर्णता के लिए अलवर जिले का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. तहसीलवार भूमि उपयागे परिवर्तन स्तर का आंकलन
2. भूमिउपयोग परिवतर्न के सहयोगी सूचकांकों का अभिज्ञान।

शोध परिकल्पना

1. कृषि आधुनिकीकरण से भूमि उपयोग परिवर्तनशील रहा है।
2. जनसंख्या की अधिकांश आवश्यकताओ ंका भरणपोषण भूमि पर आधारित रहा है।
3. भूमि उपयोग एवं पर्यावरण सह सम्बन्धित होते है।

विधि तन्त्र

प्रकाशित द्वितीय ऑकड़ों को व्यवस्थित कर उद्देश्य हेतु सारणीय द्वारा प्रतिशत मान में कमी व वृद्धि का स्तर प्राप्त कर भौगोलिक अध्ययन में शामिल किया गया है। जिसमें सांख्यिकीय विधियों द्वारा सहसम्बन्ध व गणुक विश्लेषण के द्वारा मानकित मूल्य तथा सह सम्बन्ध मैट्रिक्स के आधार पर भूमि उपयोग परिवतर्न स्तर ज्ञात किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय एवं स्थिति

किसी भी भू–भाग के भौतिक स्वरूप व जलवायु कारक ही उस प्रदेश की भौतिक दशाओं का निर्धारण करते हैं। जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 8380 वर्ग किमी है जो अक्षांशीय विस्तार $24^0 4'$ से $28^0 4'$ उत्तरी अक्षांश है तथा देशान्तरीय विस्तार $76^0 7'$ से $77^0 13'$ पूर्वी देशांतर के मध्य है अलवर जिला राजस्थान का सिंह द्वार कहलाता है।

अलवर जिले का भूमि उपयोग वर्ष 1995–96 हैक्टर में

तहसील	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल ग्राम पक्षों के अनुसार	जंगलात	कृषि अयोग्य भूमि		योग (4+5)
			भूमि जो कृषि के अतिरिक्त काम में ली गई	ऊसर तथा कृषि अयोग्य भूमि	
1	2	3	4	5	6
अलवर	92383	9672	7696	12186	19882
रामगढ़	58155	—	3705	7661	11366
राजगढ़	95323	10437	6527	18988	25515
लक्ष्मणगढ़	112985	2920	6387	3197	9584
थानागाजी	72772	10425	3331	21325	24656
बहरोड़	72980	588	4054	5763	9817
बानसूर	66276	4573	2734	2890	11024
किशनगढ़	74775	5430	3372	6602	9974
तिजारा	63555	3647	3994	5977	9971
मण्डावर	57334	902	1531	6675	8206
योग	**776538**	**48594**	**43331**	**96664**	**139995**

भूमि उपयोग (क्रमशः) 1995–96 जोत रहित भूमि (पड़त भूमि के अतिरिक्त) पड़त भूमि
(हैक्टेयर में)

तहसील	स्थाई चारागाह तथा अन्य गोचर भूमि	वृक्षों के झुंड तथा बाग	बंजड़ (कृषि योग्य भूमि)	योग 7–9	अन्य पड़त	पड़त भूमि
1	7	8	9	10	11	12
अलवर	1651	43	1353	3047	2839	2008
रामगढ़	1244	36	969	2244	942	1528
राजगढ़	4076	107	2448	6631	2530	3940
लक्ष्मणगढ़	1105	24	195	1324	601	820
थानागाजी	5657	48	3028	8733	3066	1625
बहरोड़	2710	54	342	3106	1200	2193
बानसूर	3820	—	1397	5217	80	3437
किशनगढ़	864	15	1372	2251	1099	1325
तिजारा	312	29	1023	1364	1650	2406
मण्डावर	25	—	102	127	396	1055
योग	**21464**	**356**	**12224**	**34044**	**14403**	**20337**

तहसील	पड़त भूमि योग (11+12)	वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल दुपज घटाकर	समस्त बोया हुआ क्षेत्रफल	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल
1	13	14	15	16
टलवर	4847	54935	76208	20273
रामगढ़	2470	42025	56930	14905
राजगढ़	6470	46270	67809	21539
लक्ष्मणगढ़	1421	97737	127839	30103
थानागाजी	4691	24267	34599	10332
बहरोड़	3393	56076	76039	19963
बानसूर	3517	41945	56306	14361
किशनगढ़	2424	56196	74864	18768
तिजारा	4056	44517	60792	16275
मण्डावर	1451	44134	59283	15149
योग	**34740**	**508102**	**690669**	**181668**

स्त्रोत : कार्यालय जिला कलेक्टर (भू.अ.) अलवर

भूमि उपयोग (क्रमशः) 2016–17 (हैक्टेयर में)

तहसील	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल(ग्राम पक्षों के अनुसार)	जंगलात	कृषि अयोग्य भूमि		योग (3+5)
			भूमि जो कृषि के अतिरिक्त काम में ली गई	ऊसर तथा कृषि अयोग्य भूमि	
1	2	3	4	5	6
अलवर	68708	20749	7613	7362	14975
बानसूर	66276	5352	1461	9031	10492
बहरोड़	35056	878	2231	2087	4318
गोविन्दगढ़	11022	20	758	0	758
कठूमर	50566	419	3092	106	3198
किशनगढ़ बांस	40477	5857	1976	4865	6841
कोटकासिम	34302	131	1986	263	2249
लक्ष्मणगढ़	51173	3740	2713	1473	4186
मालाखेड़ा	40392	7158	162	3652	5254
मण्डावर	57405	2513	2268	4631	6899
नीमराणा	37926	361	3705	3173	6878
रैणी	39329	3384	2019	3184	5203
राजगढ़	55994	18246	3183	5616	8799
रामगढ़	58316	24	3613	7627	11240
थानागाजी	72784	12339	3473	19499	22972
तिजारा	63555	3728	7568	5781	133349
योग	**783281**	**84899**	**49261**	**78350**	**127611**

भूमि उपयोग (क्रमशः) 2016–17 (हैक्टेयर)

तहसील		जोत रहित भूमि (पड़त भूमि के अतिरिक्त)			
	स्थाई चारागाह तथा अन्य गोचर	वृक्षों के झुण्ड तथा बाग	बंजड़ कृषि अयोग्य भूमि	योग 7 से 9	अन्य पड़त भूमि
1	7	8	9	10	11
अलवर	814	68	596	1478	3102
बानसूर	3671	6	12	3689	959
बहरोड़	1096	—	—	1096	1371
गोविन्दगढ़	21	—	—	21	398
कठूमर	327	3	289	619	897
किशनगढ़ बांस	551	—	79	630	1345
कोटकासिम	314	—	39	353	463
लक्ष्मणगढ़	732	—	50	782	676
मालाखेड़ा	913	10	330	1283	1256
मण्डावर	2391	—	0	2391	2130
नीमराणा	1488	—	77	1565	2368
रैणी	1176	12	372	1560	2346
राजगढ़	3121	8	1181	4310	3709
रामगढ़	1202	31	1191	2432	1677
थानागाजी	5664	58	1491	7213	3001
तिजारा	324	1	2132	2457	3388
योग	**23835**	**197**	**7847**	**31879**	**29086**

भूमि उपयोग (समाप्त) 2016–17

तहसील 2016–17	चालू पड़त भूमि	पड़त भूमि योग 11+12	वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल (दुपज घटाकर)	समस्त बोया हुआ क्षेत्रफल	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल
1	12	13	14	15	16
अलवर	933	4035	27442	45561	13119
बानसूर	1038	1997	44746	79909	35163

बहरोड़	1240	2611	26153	50567	24414
गोविन्दगढ़	165	563	9660	15711	6051
कठूमर	747	1371	44959	78510	33551
किशनगढ़ बांस	770	2115	25034	43941	18907
कोटकासिम	820	1283	30286	51637	21351
लक्ष्मणगढ़	709	1385	41080	71065	29985
मालाखेड़ा	384	1640	25057	49646	18589
मण्डावर	1472	3602	42000	76056	34056
नीमराणा	1049	3417	25705	46329	20624
रैणी	654	3000	26182	48183	22001
राजगढ़	2384	6093	18546	31242	12696
रामगढ़	1110	2787	41833	70777	28944
थानागाजी	2582	5583	24676	44148	19472
तिजारा	1615	5003	39018	73393	37375
योग	**17399**	**46485**	**492377**	**870675**	**378298**

स्रोत : कार्यालय जिला कलेक्टर (भू.अ.) अलवर।

2016 में अलवर जिले का कुल भूमि उपयोग 783281 हैक्टेयर हैं जो 1995–96 के आंकड़ों में 766538 हैक्टेयर था। अर्थात् लगभग बीस वर्ष में भूमि के समतलीकरण के कारण कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के अंतर्गत भी वृद्धि दर्ज की गई है। जो कि 16743 हैक्टेयर की वृद्धि है। इसी क्रम में यदि जंगलात भूमि पर प्रकाश डाला जाये तो वर्ष 1995–96 के दौरान 48594 हैक्टेयर पर जंगलात थे जो 2016–17 में बढ़कर 84899 हों गये।

निष्कर्ष

1. वर्णित कृषि अयोग्य भूमि के अंतर्गत वर्ष 1995–96 के आंकड़ों के अनुसार 43331 हैक्टेयर भूमि (भूमि जो कृषि के अतिरिक्त काम में ली गई) थी जो वर्ष 2016–17 के दौरान बढ़कर 49261 हैक्टेयर (भूमि जो कृषि के अतिरिक्त काम में ली गई) हो गयी। कृषि अयोग्य भूमि के अंतर्गत ही ऊसर तथा कृषि अयोग्य भूमि पर प्रकाश डाले तो पता चलता है। वर्ष 1995–96 के दौरान जो 96664 हैक्टेयर भूमि थी वह वर्ष 2016–17 78350 रह गयी हैं अर्थात 18314 हैक्टेयर भूमि को कृषि योग्य कर लिया गया हैं या उसे अन्य कार्यो हेतु प्रयुक्त किया जाने लगा हम बात करें 1995–96 से 2016–17 की तो उद्योगिक विकास एवं तकनीकी विकास अत्यधिक मात्रा में हुआ है।
2. जोत रहित भूमि (पड़त भूमि के अतिरिक्त) – वर्ष 1995–96 में 34044 हैक्टेयर थी जो वर्ष 2016–17 में घटकर 31879 हैक्टेयर रही। इस भूमि के अंतर्गत स्थाई चारागाह, वृक्षों के झुण्ड, तथा बंजड़ कृषि अयोग्य भूमि शामिल है। जिनका मानवीय गतिविधियों के विकास के चलते विकास हुआ और कुल क्षेत्र में कमी हुई। पड़त भूमि के अंतर्गत अन्य पड़त एवं चालू पड़त भूमि का विवरण दिया गया हैं अन्य पड़त भूमि में 1995–96 में 14403 हैक्टेयर एवं 2016–17 में29086 हैक्टेयर के रूप में वृद्धि हुई वहीं चालू पड़त 1995–96 20337 हैक्टेयर से 2016–17 में 17399 कमी हुई और पड़त भूमि का संपूर्ण की बात करें तो जो 1995–96 में 34740 हैक्टेयर थी वह 2016–17 में 46485 हैक्टेयर हो गई। इस क्रम में आगे वास्तविक बोया हुआ क्षेत्र (दुपज घटाकर) 1995–96 के अनुसार 508102 हैक्टेयर रहा जो वर्ष 2016–17 के अंतर्गत 492377 हैक्टेयर रहा जिसमें कोई विशेष परिवर्तन देखने को नहीं मिला परंतु समस्त बोया हुआ क्षेत्रफल जो वर्ष 1995–96 में 690669 था वह 2016–17 में बढ़कर 870675 हैक्टेयर हो गया। वहीं एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल जो वर्ष 1995–96 में 181668 हैक्टेयर रहा वह वर्ष 2016–17 में 378298 हो चुका जिसमें अत्यधिक मात्रा में वृद्धि देखने को मिली है।

सुझाव

1. ऊसर भूमि पर भी वर्तमान में कृषि कार्य संभव हुआ है। इसी तरह सिंचाई संसाधनों का विकास करते हुये कुछ भूमि जो सिर्फ सिंचाई संसाधन के अभाव में ऊसर भूमि के रूप में थी उसे आज सिंचित भूमि में बदलकर उन्नत फसलें प्राप्त की जा चाहिये।
2. उन्नत किस्म के बीज व रासायनिक खाद्य के उपयोग से उर्वरकों से, कम समय में तैयार होने वाली फसल के बीजों को तैयार किया जाना है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *जिला सांख्यिकी विभाग*
2. *एन.एस.एस.ओ.*
3. *भारतीय जनगणना 2011*
4. *डॉ. रामकुमार गुर्जर एवं बी.सी. जाट (2005) पर्यावरण भूगोल*
5. *शर्मा, एच.एस., शर्मा एम.एल. (2006) : राजस्थान का भूगोल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।*
6. *महावर गोपीलाल व रामा प्रसाद (2010) : राजस्थान मे भूमि उपयोग का भौगोलिक विश्लेषण ॲनाल्स अंक XXVII पृष्ठ 210–217*